POETRY, DRAMA AND GRAMMAR
(काव्य, नाटक और व्याकरण)

Option (i) : Sememster - III

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

प्रथम भाग

1. (क) अधोलिखित किन्हीं **दो** श्लोकों का प्रसंग सहित अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए :

(अ) संध्यारागोत्थितैस्ताम्रैरुतेष्वपि च पाण्डुभिः।
स्निग्धैरभ्रपटच्छेदैर्बद्धव्रणमिवाम्बरम् ।।

(ब) रजः प्रशान्तं सहिमाऽद्य वायुर्निदाघदोषप्रसराः प्रशान्तः।
स्थिता हि यात्रा वसुधाधिपानां प्रवासिनोयान्तिनराः स्वदेशान्।

(स) मार्गानुगः शैलवनानुसारी साम्प्रस्थितो मेघरव निराम्य।
युद्धाभिकामा प्रतिनादशङ्की मतो गजेन्द्रः प्रतिसंनिवृत्तः।।

(द) मत्ता गजेन्द्राः मुदिता गवेन्द्राः वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्राः।।
रम्या नगेन्द्राः निभृता नरेन्द्राः प्रक्रीडितो वारिधरैः सुरेन्द्रः।।

(ख) निम्नलिखित में से किसी दो पद्यों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए: (7½×2=15)

(क) तरुणरविकरप्रकीर्णकेशो भ्रकृटिपुरोज्जवलपिङ्गलायताक्षः।
सतडिदिव धनः सकाण्डसूत्रो युगनिधने प्रतिमाकुतिर्हरस्य।।

(ब) कृतकृत्यं शरीरं में परिणामेन जर्जरम्।
राक्षसाग्नौ सुतापेक्षी होषयामि विधिसंस्कृतम्।।

(स) पुत्र नक्षत्रकीर्णस्य तलीकान्तप्रभस्य च।
वृछस्य विप्रचन्द्रस्य भवानफ राहुरिवोत्थितः।।

(द) खगशतविरुते विरोति तारं द्रुमगहने दृढ़ सकटेवनेस्मिन्।
जनयति च मनोज्वरं स्वरोऽयं बहुसदृशो हि धनञ्जय स्वरस्य।।

द्वितीय भाग

2. (क) अधेलिखित किन्हीं **पाँच** संख्यावाचक शब्दों को संस्कृत भाषा में लिखें।
2, 11, 23, 39, 46, 55, 64, 76, 84, 100. 5

(ख) निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** पदों की सन्धि करें तथा सन्धि का नाम भी लिखें :
रामस् + टीकते, रामस् + शोभते, वाक् + विवादः,
अप + जः, एतत् + मुरारि, विद्वान् + लिखिति,
छेद् + ता, तत + हितम्, सत्वरम् + याति, त्वम् + करोषि। 10

(ग) अधोलिखित किन्हीं पाँच पदों का समस्तपद अथवा विग्रह करें तथा समास का नाम भी लिखें :
सुख्मतीतः नरकं+पतितः, धनेन+हीनः, असिमा+छिन्नः, गवे+हितम् रामसेवकः, स्वर्गपतितः, आत्मनेपदम्
अनुपकारः, पंचानां पात्राणं समाहारः। 10

तृतीय भाग

3. वस्तुनिष्ट अति लघु प्रश्नों के उत्तर दो : (2×10=20)

(क) किष्किन्धकाण्ड के अष्टाविंश सर्ग (28सवें सर्ग) में वर्णित वर्षा ऋतु पर टिप्पणी दें।
(ख) रामायण महाकाव्य में कितने काण्ड है, उनके केवल नाम लिखें।
(ग) किस घटना ने महर्षि वाल्मीकि को द्रवीभूत किया ?
(घ) तत्पुरुष समास की परिभाषा और प्रकारो के नाम लिखें।
(ङ) सन्धि–व्यञ्जन का लक्षण दें तथा प्रकारा के कथन करें।
(च) नाटक की विधा 'व्यायोग' से क्या अभिप्राय है ?
(छ) मध्यमव्यायोग नाटक का नामकरण।
(ज) नञ् तत्पुरुष समास की परिभाषा सोदाहरण दें।
(झ) किष्किन्धाकाण्ड के निर्धारित अंश में मेघ–वर्णन पर टिप्पणी दें।

www.questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner

(ञ) संख्या 7, 16, 27, 49 को संस्कृत, हिन्दी तथा पंजाबी भाषा मे लिखें।

www.questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner